दिसम्बर तक शान्तिपूर्ण थी। 29 दिसम्बर को, जब बैक्टल के लेबर कैम्प में हाथापाई शुरू हुई, स्थिति बिगड़ गई। इस गड़बड़ में कैन्टीन में लूटखसोट हुई और शीशे का सामान तथा चीनी के बर्तन हड़तालियों ने तोड़ दिये। यह विदित हुआ है कि उत्तेजित भीड़ को शान्त करने के लिये पुलिस की सभी कोशिशें बेकार होने पर और लाठी चार्ज तथा आंसू गैस के प्रयोग का भी कोई असर न होने पर पुलिस को मजबूर होकर गोली चलानी पड़ी। गोली चलाने के फलस्वरूप 8 व्यक्ति मारे गये और 12 घायल हुए जिनमें से एक की बाद में अस्पताल में मृत्यु हो गई। 52 पुलिस अफसर और सिपाही भी घायल हुए। स्थिति पर उसी दिन सायंकाल तक काबू पा लिया गया था। इसके बाद 29 जनवरी, 1966 को हड़ताल के समाप्त हो जाने तक कोई और घटना नहीं हुई। गोली काण्ड में मारे गये अथवा घायल हुए व्यक्तियों के परिवारों को राज्य सरकार द्वारा कोई मुआवजा नहीं दिया गया है।

(ग) गोली काण्ड की जांच मजिस्ट्रेट द्वारा की जा रही है।

पाकिस्तान युद्ध कोष के लिए अंशदान

1200. श्री आज़ाद :
श्री रामसेवक यादव :
श्री यशपाल सिंह :
श्री राजदेव सिंह :

क्या वैदेशिक-कार्य मंत्री पाकिस्तान युद्ध कोष के लिये अंशदानों के बारे में 29 नवम्बर, 1965 के अतारांकित प्रश्न संख्या 1482 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इस बारे में की जा रही जांच पूरी हो चुकी है ;

(ख) यदि हां, तो दोषी व्यक्तियों की संख्या कितनी है ; और

(ग) उन व्यक्तियों के विरुद्ध सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्री स्वर्ण सिंह): (क) पूछताछ अभी हो रही है।

(ख) और (ग). पूछताछ पूरी हो जाने के बाद समुचित कार्रवाई की जायेगी।

भारतीय सैनिकों द्वारा चीनी सिपाही का पकड़ा जाना

1201. श्री किशन पटनायक :
श्री मधु लिमये :
डा० राम मनोहर लोहिया :
श्री बड़े :
श्री विभूति मिश्र :
श्री टे० द० पुरी :

क्या प्रतिरक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तरी सीमा के मध्य क्षेत्र में भारतीय सैनिकों ने हाल में एक चीनी सिपाही को बन्दी बनाया है ;

(ख) क्या उस चीनी सिपाही ने फारमोसा जाने की इच्छा व्यक्त की है ; और

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

प्रतिरक्षा मंत्री (श्री यशवन्त राव चह्वाण):

(क) जी हां।

(ख) जी नहीं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।